



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 17 मई, 2026

जारी करने का समय: 1350 घंटे

विषय: (i) उत्तर-पश्चिमी भारत और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में सप्ताह के कई दिनों तक लू से भीषण लू चलने की संभावना है।
(ii) अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पूर्वी भारत, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी छिटपुट भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; और अगले 3 दिनों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, लक्षद्वीप और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भी भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):

- ❖ मानसून की उत्तरी सीमा $5^{\circ}\text{N}/75^{\circ}\text{E}$, $6^{\circ}\text{N}/79^{\circ}\text{E}$, $8^{\circ}\text{N}/85^{\circ}\text{E}$, $10.5^{\circ}\text{N}/90^{\circ}\text{E}$, $13.5^{\circ}\text{N}/95^{\circ}\text{E}$ और $15.5^{\circ}\text{N}/98^{\circ}\text{E}$ से होकर गुजरती है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, अंडमान द्वीप समूह और अंडमान सागर के शेष भागों और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ भागों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।
- ❖ मॉडल त्रुटि ± 4 दिनों के साथ, दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई को केरल में आगमन की संभावना है।

आज, 17 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (11-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ ओडिशा, तटीय कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, छत्तीसगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उत्तराखंड और ओडिशा में छिटपुट स्थानों पर 50-76 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और तूफानी हवाएं चलीं। वहीं उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, सौराष्ट्र और कच्छ, पूर्वी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, बिहार, पंजाब, गुजरात क्षेत्र, विदर्भ, कोंकण और गोवा, पश्चिमी मध्य प्रदेश, असम और मेघालय में छिटपुट स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और तूफानी हवाएं चलीं।
- ❖ ओडिशा और छत्तीसगढ़ में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ विदर्भ के कुछ स्थानों पर लू की स्थिति बनी हुई है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ अधिकतम तापमान (16-05-2026 तक): कल, मध्य भारत और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों में, गुजरात, राजस्थान और उससे सटे हरियाणा के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 40-45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा; जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर-पूर्वी भारत, दक्षिणी केरल और तमिलनाडु को छोड़कर देश के शेष हिस्सों में तापमान 32-40 डिग्री सेल्सियस रहा। कल अमरावती और वर्धा (विदराभा) में अधिकतम तापमान 46.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।
- ❖ अधिकतम तापमान में अंतर (16-05-2026 तक): पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (> 5.1 डिग्री सेल्सियस) रहा; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही। गुजरात क्षेत्र के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1 डिग्री सेल्सियस से 5.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। गंगा के पश्चिमी बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। मराठवाड़ा के कई स्थानों पर, सौराष्ट्र, कच्छ और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर, अंडमान और निकोबार

द्वीप समूह, ओडिशा, बिहार, उत्तराखंड, पश्चिमी राजस्थान, कोंकण और गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और तेलंगाना के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक ($> 5.1^{\circ}\text{C}$) रहा।

- ❖ पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर, बिहार, उत्तर प्रदेश और गुजरात के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक ($> 5.1^{\circ}\text{C}$) रहा। पश्चिमी राजस्थान और मध्य महाराष्ट्र के कुछ स्थानों पर, ओडिशा, मराठवाड़ा, विदर्भ, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। पंजाब, कोंकण और गोवा, विदर्भ, रायलसीमा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा और देश के शेष भागों में सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहेगा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ उत्तरपूर्वी तमिलनाडु और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ पश्चिमी विदर्भ और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ उत्तरपूर्वी बिहार में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ मध्य असम और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ कोमोरिन क्षेत्र और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ पश्चिमी विदर्भ और आसपास के चक्रवाती परिसंचरण से लेकर मराठवाड़ा, आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु होते हुए मन्नार की खाड़ी तक निचले क्षोभमंडल में एक गर्त/पवन विच्छिन्नता फैली हुई है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल में उत्तरी ईरान और आसपास के चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्षोभ मौजूद है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वांतर भारत:

- ❖ 18 मई को असम और मेघालय में, 17 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, 18 और 19 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, 17 और 18 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, 19 और 20 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, और 17 से 20 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 17 और 18 मई को अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट भारी बारिश की संभावना है। 17 से 23 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, असम और मेघालय में भारी बारिश होगी, साथ ही 17 मई को अरुणाचल प्रदेश में और 17, 22 और 23 मई को असम और मेघालय में छिटपुट रूप से बहुत भारी बारिश होगी।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में 20 और 21 मई को छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है; आंतरिक कर्नाटक में 17 और 18 मई को गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 17 से 19 मई के दौरान; केरल और माहे में 17 से 21 मई के दौरान; लक्षद्वीप और तटीय कर्नाटक में 17 और 18 मई को; रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 19 मई को; तेलंगाना में 17 मई को; आंतरिक कर्नाटक में 19 और 20 मई को। 16 से 20 मई के दौरान रायलसीमा में छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है; 18 से 20 मई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में भी यही स्थिति रहेगी; 16 मई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में बारिश होगी और 20 और 21 मई को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गरज, बिजली और तेज हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटा तक की गति से) चलने की संभावना है; 17 और 18 मई को तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में भी यही स्थिति रहेगी; 19 से 21 मई के दौरान तटीय कर्नाटक में भी यही स्थिति रहेगी।

- ❖ 17 से 19 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, तटीय कर्नाटक, केरल और माहे में छिटपुट भारी बारिश की संभावना है; 17 और 18 मई को लक्षद्वीप में भी यही स्थिति रहेगी; 17 मई को केरल और माहे में छिटपुट बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- ❖ कर्नाटक के आंतरिक भाग में 17 और 18 मई को कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है। पूर्वी भारत:
- ❖ 16 से 22 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, और 16 से 18 मई और 20 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 16 से 18 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 16 से 22 मई के दौरान बिहार में, और 16 से 20 मई के दौरान झारखंड और ओडिशा में छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 16 से 18 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, 16 मई को बिहार में, और 16, 19 और 20 मई को झारखंड में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 16 से 18 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, जिसमें 16 और 17 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में और 17 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 17 से 20 से 23 मई के दौरान गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 17 से 19 मई के दौरान और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 18 और 19 मई को गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 19 से 23 मई के दौरान छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा होने की संभावना है; बिहार में 17, 19 और 21 से 23 मई के दौरान; झारखंड में 17, 18 और 21 से 23 मई के दौरान; ओडिशा में 20 मई को छोड़कर पूरे सप्ताह हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 17 और 18 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, 20 मई को बिहार और ओडिशा में, और 19 और 20 मई को झारखंड में गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ इस सप्ताह के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, 17 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, और 21-23 मई के दौरान कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 17 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा हो सकती है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 19 और 20 मई को और उत्तराखंड में 20 से 23 मई के दौरान छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 19 से 23 मई के दौरान छिटपुट बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ मध्य प्रदेश और विदर्भ में 17 मई को और छत्तीसगढ़ में 17 और 18 मई को छिटपुट बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ मध्य महाराष्ट्र में 17 और 18 मई को छिटपुट बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है। कोंकण, गोवा और मराठवाड़ा में 17 मई को कार्यक्रम होंगे।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में 21 मई तक अधिकतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 22-23 मई के दौरान कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों में 19 मई तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है और 20-22 मई के दौरान 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी।

- ❖ पूर्वी, उत्तर-पूर्वी भारत और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में 19 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 20 से 23 मई के दौरान कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ देश के शेष हिस्सों में 23 मई 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- ❖ राजस्थान में 17-23 मई के दौरान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 18-23 मई के दौरान कुछ क्षेत्रों में लू चलने की संभावना है। मध्य प्रदेश और विदर्भ में 17 से 21 मई तक; छत्तीसगढ़ में 20 और 21 मई को।
- ❖ उत्तर प्रदेश में 17 से 23 मई तक कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है, साथ ही 19 से 23 मई तक कुछ इलाकों में भीषण लू चलने की संभावना है।
- ❖ तेलंगाना में 17 से 21 मई तक कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान में 17 और 18 मई को कुछ इलाकों में रातें गर्म रहने की संभावना है।

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 17 मई से 22 मई, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

बंगाल की खाड़ी:

- ❖ 17 से 20 मई के दौरान मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों, पूर्वी मध्य और पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 20 से 22 मई के दौरान मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों, पूर्वी मध्य और पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में।
- ❖ 17 से 22 मई के दौरान अंडमान सागर में।

अरब सागर:

- ❖ 17 से 19 मई के दौरान केरल और कर्नाटक के तटों के साथ-साथ लक्षद्वीप और मालदीव से सटे क्षेत्रों में।
- ❖ 18 मई और 20 से 22 मई के दौरान सोमालिया के तटों के साथ-साथ दक्षिण-पश्चिम अरब सागर से सटे क्षेत्रों में।

ल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 17 से 20 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: इंडोंग टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 14, हिल्ला टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 13, जुराती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 11, चलौनी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 10, सिंधिक (जिला मंगन) 9, दलगांव टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 9, सिंगिमारी (जिला कूच बिहार) 8, बालुरघाट (जिला दक्षिण दिनाजपुर) 8, कुर्ती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 8, फागु टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 8, भगतपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 8, मोराघाट टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7, ट्रा नागराकाटा (जिला जलपाईगुड़ी) 7, घाटिया टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 7;
- ❖ केरल और माहे: कायमकुलम_कृषि (अलाप्पुझा जिला) 11, चेरथला (अलाप्पुझा जिला) 7;
- ❖ ओडिशा: सुंदरगढ़ 9;
- ❖ तटीय कर्नाटक: मुल्की (जिला दक्षिण कन्नड़) 7;
- ❖ तमिलनाडु: सुथामल्ली बांध (जिला अरियालूर), नवलूर कोट्टापट्टू (जिला तिरुचिरापल्ली) 7 प्रत्येक,

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ तमिलनाडु और पुडुचेरी: नाथम_इसरो (डिंडीगुल) 70; नेवेली (कुड्डालोर) 43;
- ❖ छत्तीसगढ़: रायपुर 61;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 60;
- ❖ उत्तराखंड: चमोली 56; मुक्तेश्वर 41; कोसियाकुटोली 37; जौलीग्रांट 37; रानीखेत 31; रानीचौरी 31; मटेला/चंपावत/पंतनगर एएमएफ्यू 30;
- ❖ ओडिशा: राउरकेला 50;
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: उत्तर दिनाजपुर 48;
- ❖ सौराष्ट्र-कच्छ: जूनागढ़ 46; कांडला 43;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: अनुपपुर 46;
- ❖ असम और मेघालय: मानस 46; गुवाहाटी 43; HRS_काहिकुची 41; गौहाटी विश्वविद्यालय 39; तुरा 39; वीसीबीसी_रानी 35; जोवाई 35;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: सांगोला (सोलापुर) 41; विल्होली (नासिक) 39; जलगांव 35;
- ❖ मराठवाड़ा: अम्बेजोगई (बीड) 41; लातूर 35;
- ❖ हरियाणा: करनाल 41; जिंद 39;
- ❖ बिहार: अरवल 41;
- ❖ पंजाब: संगरूर 39;
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अर्नेज (अहमदाबाद) 39;
- ❖ विदर्भ: वर्धा 37;
- ❖ कोंकण और गोवा: देवगढ़ (सिंधुदुर्ग) 37; कर्जत (रायगढ़) 35;
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: सीहोर 37; जम्मू-कश्मीर: गुलमर्ग 41;

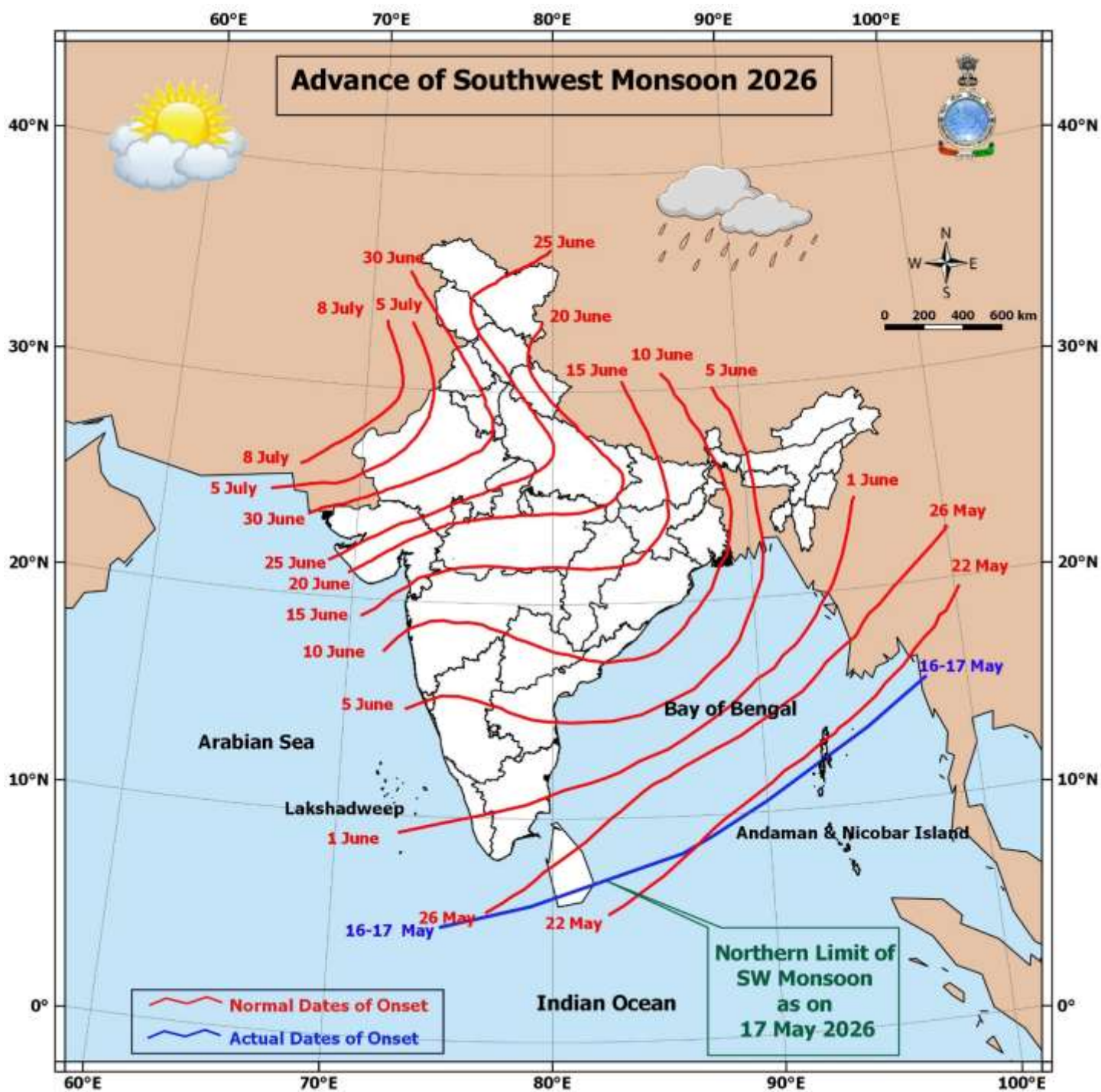
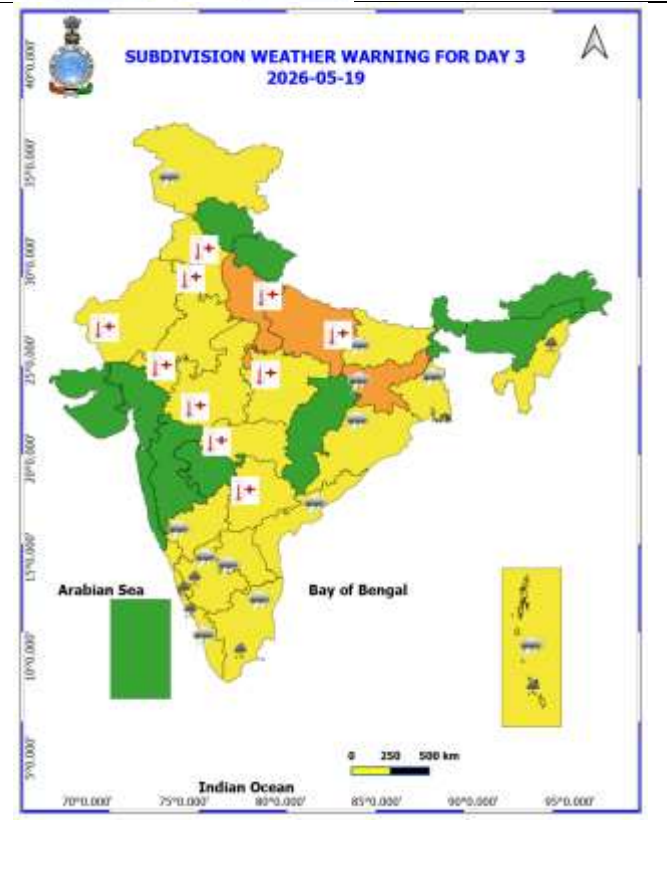
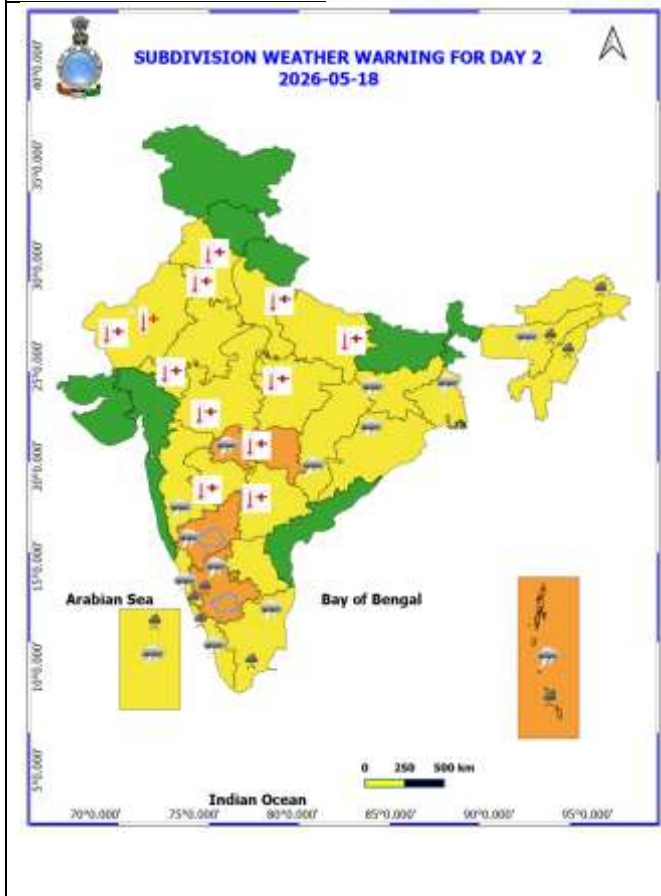
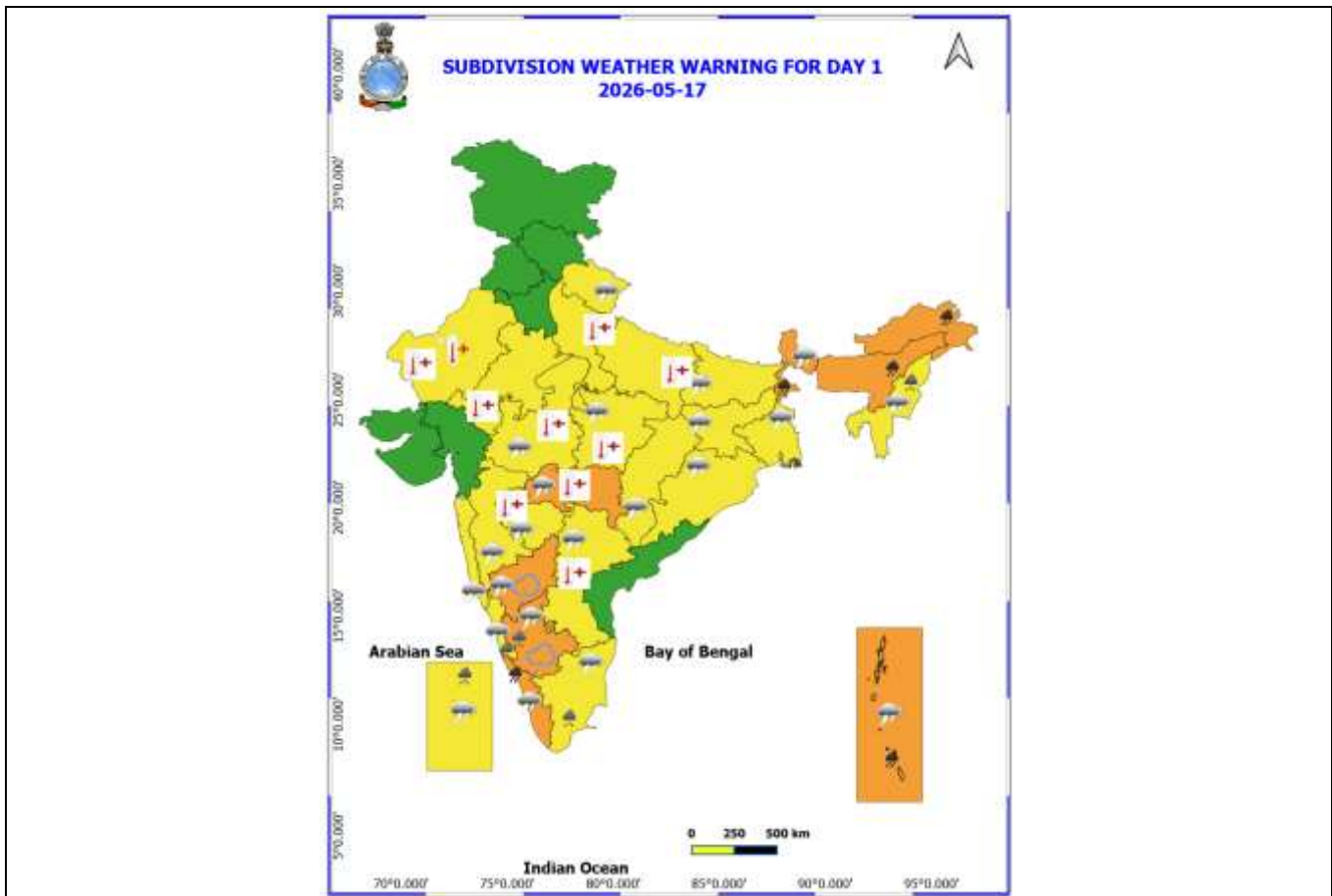
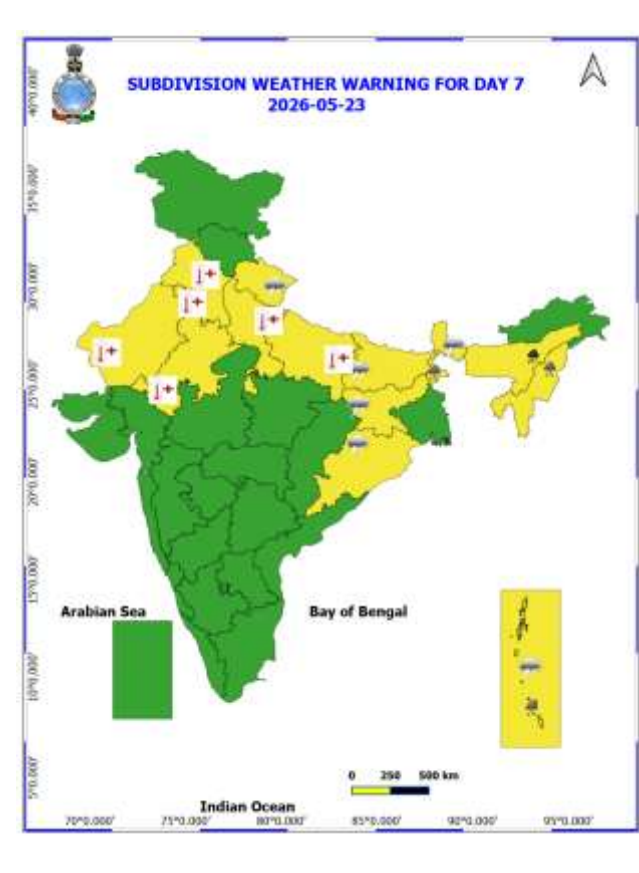
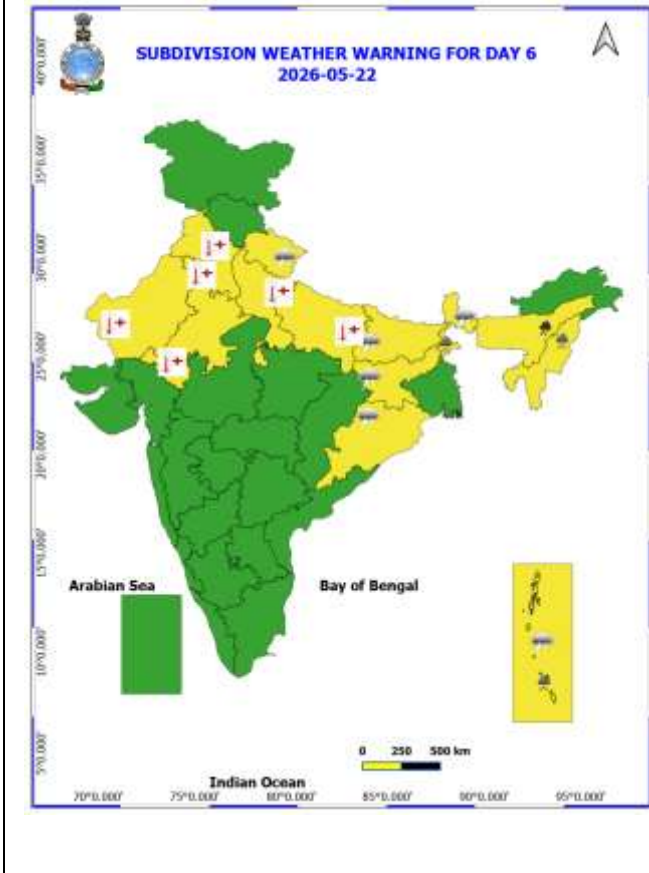
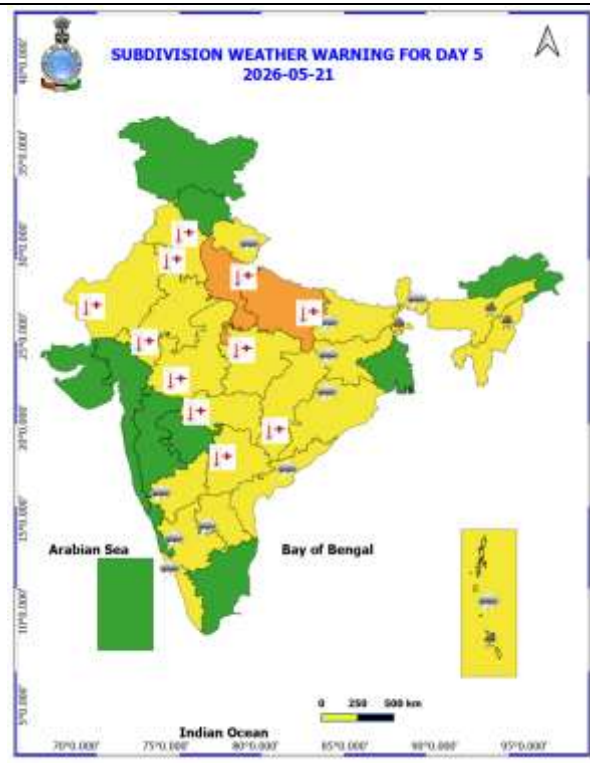
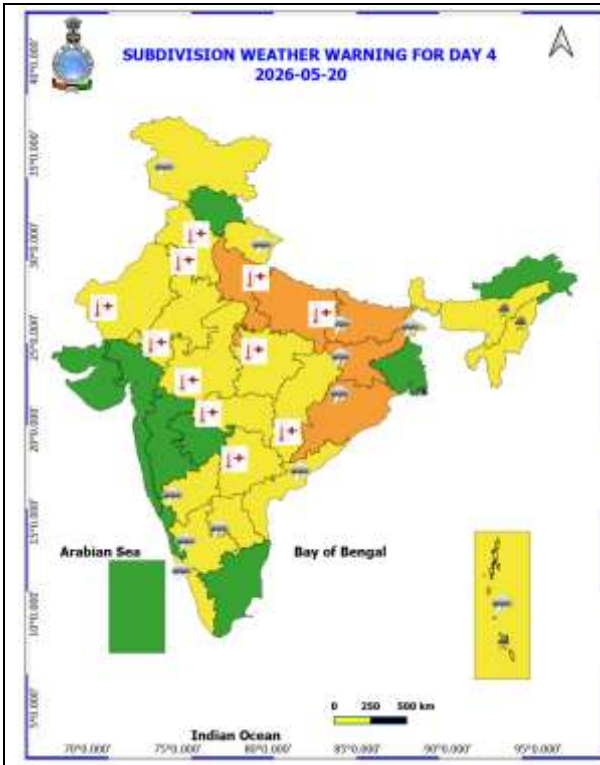


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	17- May	18- May	19- May	20- May	21- May	22- May	23- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	W	W	W	W	W	W	W
2	ARUNACHAL PRADESH	W	FWS	SCT	SCT	SCT	W	W
3	ASSAM & MEHGHALAYA	W	FWS	SCT	SCT	FWS	W	W
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	W	FWS	SCT	FWS	W	W	W
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	DRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	W	W	W	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	W	W	W	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

17 मई से 20 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में लगभग 1-2°C की वृद्धि और न्यूनतम तापमान में 1-2°C की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 40-41°C और न्यूनतम तापमान 24-25°C रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और शेष भागों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और उत्तर-पश्चिमी हवाएँ 15-20 किमी/घंटा की गति से चलीं, जिनकी रफ्तार कभी-कभी 34 किमी/घंटा तक पहुँच गई। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और सतह पर हवा की गति 10 किमी/घंटा तक रहने की संभावना है, जो उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी।

मौसम पूर्वानुमान:

16.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 40°C से 42°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम हो जाएगी और दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति 10 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

17.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय गरज-चमक के साथ मौसम बदलने की संभावना है और दिन के दौरान सतह पर तेज़ हवाएँ (20-30 किमी/घंटा) चल सकती हैं, जिनकी रफ्तार कभी-कभी 40 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 41°C से 43°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, और सुबह के समय हवा की गति 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति थोड़ी बढ़ जाएगी और पश्चिम दिशा से 25 kmph से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति पश्चिम दिशा से 25 kmph से कम रहेगी।

18.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ रहेगा। दिन के समय सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ (20-30 kmph) चलेंगी, जिनकी गति कभी-कभी बढ़कर 40 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 42°C से 44°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, और सुबह के समय हवा की गति 25 kmph तक पहुँच सकती है। दिन और रात के समय भी यही हवाएँ चलती रहेंगी।

19.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ रहेगा। दिन के समय सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ (20-30 kmph) चलेंगी, जिनकी गति कभी-कभी बढ़कर 40 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 41°C से 43°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, और सुबह के समय हवा की गति 25 kmph तक पहुँच सकती है। दिन और रात के दौरान वही हवाएँ चलती रहती हैं।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

❖ कर्नाटक के आंतरिक भाग में 17 और 18 मई को कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

❖ अरुणाचल प्रदेश में 17 और 18 तारीख को, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम और मेघालय में 17 से 23 तारीख के दौरान, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, तटीय कर्नाटक, केरल और माहे में 17 से 19 तारीख के दौरान, लक्षद्वीप में 17 और 18 तारीख को, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सप्ताह के दौरान, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 17 और 21 से 23 मई के दौरान भारी वर्षा की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में 17, असम और मेघालय में 17, 22 और 23 तारीख को, केरल और माहे में 17 मई को, और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 17 मई को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढाँचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।

- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ राजस्थान में 17 से 23 मई के दौरान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 18 से 23 मई के दौरान, मध्य प्रदेश और विदर्भ में 17 से 21 मई के दौरान, और छत्तीसगढ़ में 20 और 21 मई को छिटपुट लू चलने की संभावना है।
- ❖ उत्तर प्रदेश में 17 से 23 मई के दौरान छिटपुट/कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है, और 19 से 23 मई के दौरान उत्तर प्रदेश के कुछ छिटपुट/कुछ इलाकों में भीषण लू चलने की संभावना है।
- ❖ तेलंगाना में 17 से 21 मई के दौरान छिटपुट लू चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान में 17 और 18 मई को छिटपुट रातें गर्म रहने की संभावना है।

चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तापमान अधिक रहने और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में ज़्यादा है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी शारीरिक काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे: शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएँ हो सकती हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें - शरीर को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ - भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने (हाइड्रेटेड रहने) के लिए ORS, या घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- आंतरिक कर्नाटक में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। कटी हुई पत्तागोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाले धान और आलू को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

- असम में, फसल के खेतों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। पकी हुई फसलों की कटाई को प्राथमिकता दें और उपज को किसी सूखी और ढकी हुई जगह (गोदाम) पर सुरक्षित रख दें। लंबी फसलों (जैसे केला या गन्ना) और छोटे पौधों को बांस की डंडियों या खंभों से सहारा प्रदान करें।
- मेघालय में, मक्का, अदरक, सब्जियों और फलों के बागानों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। फसलों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें बांस या अन्य सहारे (स्टेकिंग) से बांधें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, अदरक, टमाटर, मक्का, करेला और लाल मिर्च के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें। टमाटर और लाल मिर्च के पौधों को सहारा प्रदान करें। परिपक्व फसलों की कटाई जल्द से जल्द करें और उन्हें सुरक्षित, सूखे स्थानों पर रखें। नर्सरी एवं नए पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए आवरण का उपयोग करें।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और क्यारियों के आसपास पानी जमा होने से रोकथाम करें।
- केरलम में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- तमिलनाडु में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना और अन्य सब्जियों की खेती में जल संचय को रोकने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें।
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, धान के खेतों, सुपारी और आम के बागों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- लक्षद्वीप, सिंचाई, अंतरसांस्कृतिक संचालन और खड़ी फसलों में पौध संरक्षण उपायों और उर्वरकों के प्रयोग को स्थगित करें। जलभराव को रोकने के लिए खड़ी फसल वाले खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- पंजाब में सब्जियों, मूंग के बागों और प्याज की नर्सरियों में हल्की और नियमित सिंचाई करें।
- हरियाणा में गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।
- राजस्थान में मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।
- मध्य प्रदेश में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- महाराष्ट्र - मराठवाड़ा में गर्मियों में उगाई जाने वाली मूंगफली, मक्का, सब्जियों और फलों के बागों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें, सब्जियों और फलों के बागों में मल्लिचंग करें। विदर्भ में गन्ना, ग्रीष्मकालीन मूंगफली, सब्जियों और बागों में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें; सब्जियों और बागों में जैविक या भूसे की मल्लिचंग करें; केले के घोंद को पत्तियों से ढकें; तथा नवरोपित केले के बागानों में शेड नेट का उपयोग करें।
- उत्तर प्रदेश में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियां और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- तेलंगाना में मिट्टी के प्रकार के आधार पर, सब्जियों की फसलों की सिंचाई सुबह या शाम को करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।

- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तटीय राज्यों (विशेषकर तमिलनाडु और केरल) में मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

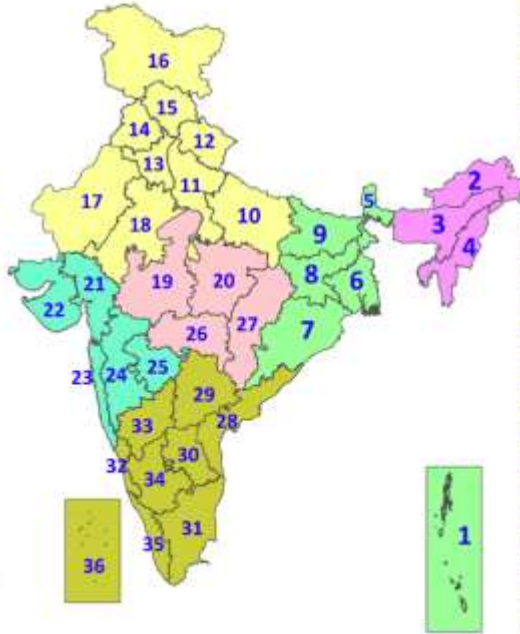
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $>4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $>6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed >87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)